//महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस जागरूकता पखवाड़े के समापन पर आयोजित सेमिनार का आयोजन//

स्थानीय कलमकार कॉलोनी स्थित ओमकार महाविद्यालय में **विश्व एड्स दिवस** के अवसर पर 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक चलने वाले एड्स जागरूक्ता (पखवाड़ा) कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरन सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें सी.एस.सी विहान डिस्ट्रक्ट कॉर्डिनेटर गुना संदिप मेहरा जी एवं एस.टी.आई./आई.सी.टी.सी. काउंसलर जिला चिकित्सालय गुना सचिन भार्गव जी एवं महाविद्यालय की संचालिका डॉ. मधु कृष्णानी, महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष श्री निर्मल नागर उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के विभागध्यक्ष श्री निर्मल नागर जी ने एड्स के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया की यह बीमारी सर्वप्रथम 19वीं सदी में सबसे पहले अफ्रीका के एक खास प्रजाति के बंदरों में एड्स का वायरस मिला था और बंदरों से यह बीमारी इंसानों में आई भारत में सर्वप्रथम यह बीमारी 1986 में चैन्नई में पाई गयी।

इस अवसर पर उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथी श्री संदिप मेहरा जी ने एच.आई.वी. के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में लगभग 75000 एड्स के मरीज है एवं गुना जिला में लगभग 1200 मरीज एच.आई.वी. से ग्रसित है। उन्होंने यह भी बताया की समय–समय पर एच.आई.वी. की जांच करवाते रहना चाहिए एवं सावधानी ही इसका बचाव है। वहीं कार्यक्रम के चलते मुख्य अतिथि श्री सचिन भार्गव जी ने बताया की एड्स से ग्रसित व्यक्ति के संपर्क में आने पर कैसे बचाव किया जा सकता है एवं उन्होंने एड्स से बचाव व उसके उपाय के बारे में जानकारी दी ।

इसी तारतम्य में महाविद्यालय की संचालिका डॉ. मधु कृष्णानी द्वारा बताया गया कि एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करके ही इस रोग से लड़ा जा सकता है एवं एड्स से ग्रसित व्यक्ति को भी एक सामान्य जीवन जीने का अधिकार होता है एड्स से बचने के लिए समय–समय पर इसकी जॉच करवानी चाहिए एवं समय–समय पर रक्तदान करना चाहिए।

महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. शिवचरण करोंट जी ने पी.पी.टी. के माध्यम से बताया की अगर एच.आई.वी की जांच समय पर करा ली जाये तो चिकित्सीय उपचार के द्वारा एड्स के वायरस को कंट्रोल किया जा सकता है।

महाविद्यालय की शिक्षिका सुश्री रीना धाकड ने पी.पी.टी. के माध्यम से बताया की एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसमें मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत तेजी से कम हो जाती है और यह भी बताया की एड्स की बीमारी गले मिलने से, हाथ मिलाने से व साथ खाना से नहीं फैलती है।

कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथियों द्वारा नुक्कड नाटक के प्रतिभागियों को को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी श्री मनीष श्रीवास्तव एवं समस्त शिक्षकगण व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री सेन सिंह कुशवाह जी द्वारा किया गया एवं महाविद्यालय की शिक्षिका सुश्री कुणाल पुरी के द्वारा इसका आभार व्यक्त किया गया।